Constitution Day celebrated @ CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 01-12-2023**

समानता के साथ जीने का अधिकार देता है संविधान

महेंद्रगढ़ | हकेवि में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रबिंद्र कुमार व गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डॉ. चंद्रैया गोपानी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. रबिंद्र कुमार ने संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए प्रतिभागियों को भारतीय संविधान की मूल भावना से अवगत कराया। कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र का समन्वयन विधि विभाग के सहायक आचार्य राकेश मीणा ने किया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं का परिचय समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. टी. लोंग्कोई व पोषण जीवविज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. उमेश कुमार ने करवाया। कार्यक्रम के अंत में शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. कुमार पी. ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जबकि मंच का संचालन कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर भारी संख्या में विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 01-12-2023**

CUH organized Expert Lecture on the occasion of Constitution Day

Arti Rana
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH: A special program was organized on Thursday to commemorate the Constitution Day at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. On this occasion, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar explained the importance of the Constitution and threw light on its Preamble. In his address, he described the Preamble of the Constitution as its soul and inspired all the participants including students to be aware of the rights as well as duties provided in the Constitution. On this occasion, the Vice Chancellor specially said that the Constitution of India provides an opportunity to the citizens to live life with equality and this is important for establishing harmony in the society and development of the country. On this occasion, Prof. Rabindra Kumar of Indira Gandhi National Open University, New Delhi and Dr. Chandraiah Gopani of Govind Ballabh Pant Institute of Social Sciences, Allahabad were present as expert speakers. This program organized by the Scheduled Caste/Scheduled Tribe Cell of the University. the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar started his address by mentioning the Preamble of the Constitution. Before this, the coordinator of Scheduled Caste/Scheduled Tribe cell and program of the University, Prof. Antresh Kumar presented the welcome address and also introduced the Vice-Chancellor of the University.

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 01-12-2023**

'समानता के साथ जीने का अवसर देता है संविधान'

महेंद्रगढ़, 30 नवम्बर (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति ने इस अवसर पर विशेष रूप से कहा कि भारत का संविधान नागरिकों को समानता के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है और यह समाज में समरसता स्थापित करने व देश के विकास हेतु महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रबिंद्र कुमार व गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डॉ. चंद्रैया गोपानी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कुलपति ने अपने संबोधन की शुरूआत संविधान की उद्देशिका का उल्लेख करते हुए की। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन समूचे राष्ट्र के लिए महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने अपने संबोधन में भारत की पुरातन सभ्यता व संस्कृति और उसमें समाहित विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान एक ऐसा माध्यम है जो इन विविधताओं के बीच समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर रखे हुए है। कुलपति ने उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार हेतु विश्वविवद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी अवगत कराया। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने स्वागत भाषण व विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया।

नवोदय टाइम्स Fri, 01 December 2023
https://epaper.navodayatimes.in/c/740

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 01-12-2023**

समानता के साथ जीने का अवसर प्रदान करता है संविधान : कुलपति

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में वीरवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि भारत का संविधान नागरिकों को समानता के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है और यह समाज में समरसता स्थापित करने व देश के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रबिंद्र कुमार व गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डॉ. चंद्रैया गोपानी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन की शुरूआत संविधान की उद्देशिका का उल्लेख करते हुए की। कुलपति ने अपने संबोधन में उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी अवगत कराया। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने स्वागत भाषण व विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. रबिंद्र कुमार ने भारतीय संविधान की मूल भावना से अवगत कराया। संविधान ही लोकतंत्र का आधार है। कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र का समन्वयन विधि विभाग के सहायक आचार्य राकेश मीणा ने किया। इस अवसर पर प्रो. सुशीला शौर्या, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. मुलका मारुति, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. जितेंद्र, डॉ. शाहजहां और डॉ. सन्नी तंवर आदि उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 01-12-2023**

समानता के साथ जीने का अवसर देता है संविधानः टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान का महत्त्व बताते हुए इसकी उद्देशिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में संविधान की उद्देशिका को इसकी आत्मा बताया और विद्यार्थियों सहित सभी सहभागियों को संविधान में प्रदान किए गए अधिकारों के साथ-साथ कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने इस अवसर पर विशेष रूप से कहा कि भारत का संविधान नागरिकों को समानता के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करता है और यह समाज में समरसता स्थापित करने व देश के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. रबिंद्र कुमार व गोविंद बल्लभ पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद के डा. चंद्रैया गोपानी उपस्थित रहे।

प्रो. रबिंद्र कुमार का स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलपति टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन की शुरुआत संविधान की उद्देशिका का उल्लेख करते हुए की। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 का दिन समूचे राष्ट्र के लिए महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संविधान एक ऐसा माध्यम है जो इन विविधताओं के बीच समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधकर रखे हुए है। कुलपति ने अपने संबोधन में उद्देशिका का उल्लेख करते हुए इसके प्रचार-प्रसार के लिए विश्वविवद्यालय स्तर पर जारी प्रयासों से भी अवगत कराया। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ व कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अंतरेश कुमार ने स्वागत भाषण व विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. रबिंद्र कुमार ने प्रतिभागियों को भारतीय संविधान की मूल भावना से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने कहा कि यह सभी भारतवासियों के अधिकारों की रक्षा करता है।